REET 2025
LEVEL-2
वंदन बैच
PHYSICS
Project Method
LIVE
25-01-2025 04:00 PM

प्रोजेक्ट विधि

प्रोजेक्ट विधि प्रयोजनवाद पर आधारित है। जॉन डीवी ऐसी शिक्षा के पक्षधर थे जिसके अन्तर्गत विद्यालयी जीवन अथवा विद्यार्थी के लिए पर्यावरण तथा वास्तविक जीवन में अन्तर समाप्त हो जाए।

Project Method

The project method is based on pragmatism. John Dewey was in favour of such education in which the difference between school life or the environment for the student and real life is eliminated.

प्रोजेक्ट के लिए उपयुक्त सोपान

इस विधि में अध्ययन का केन्द्र प्रोजेक्ट होता है। प्रोजेक्ट पर कार्य करते समय उन्हें जिस प्रकार के ज्ञान की आवश्यकता होती है वह उसी समय ग्रहण करते चलते हैं, चाहे वह किसी भी विषय से सम्बन्धित क्यों नहीं परन्तु फिर भी विज्ञान शिक्षण के लिए विद्यालय में बगीचा लगाना, रोगों के कारणों के विषय में पता लगाना, विज्ञान संग्रहालय बनाना आदि।

वृक्षारोपण =

80 students का ग्रुप बनाया
HMPV Virus के विषय में जागरूकता फैलानी

Appropriate steps for the project

In this method, the centre of study is the project. While working on the project, they acquire the knowledge they need at the same time, no matter what the subject is, but still for teaching science, they do things like planting a garden in the school, finding out the causes of diseases, making a science museum, etc.

प्रोजेक्ट विधि की कार्य प्रणाली

प्रोजेक्ट विधि से अध्ययन करने के लिए एक निश्चित क्रम का अनुसरण करना पड़ता है। ये सोपान निम्नलिखित हैं-

1. परिस्थिति उत्पन्न करना - अध्यापकों को चाहिए कि कक्षा में बातचीत के सहारे परिस्थिति उत्पन्न करे ताकि विद्यार्थी योजना को स्वयं प्रस्तावित कर सके।

2. योजना का चयन और उसके उद्देश्य का स्पष्टीकरण - समस्या के समाधान के लिए प्रस्तावित सब योजनाओं को नहीं माना जा सकता है इसलिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करके योजना का चयन एवं उसका उद्देश्य स्पष्टीकरण किया जाता है।

Working system of project method

A certain sequence has to be followed to study through project method. These steps are as follows-

1. Creating situation - Teachers should create situation in the class with the help of discussion so that students can propose the plan themselves.

2. Selection of plan and clarification of its objective -

All the plans proposed for solving the problem cannot be accepted, hence the plan is selected and its objective is clarified by discussing with the students.

अतः प्रोजेक्ट का चुनाव निम्न बातों पर निर्भर करता है -

(i) प्रोजेक्ट सभी विद्यार्थियों को मान्य होना चाहिए।

(ii) प्रोजेक्ट ऐसा हो जिसमें कक्षा का प्रत्येक विद्यार्थी भाग ले सके।

(iii) प्रोजेक्ट शिक्षाप्रद हो और भिन्न-भिन्न विषयों की शिक्षा प्रदान की जा सके।

(iv) जो प्रोजेक्ट विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो।

Therefore, the choice of project depends on the following factors-

(i) The project should be acceptable to all students.

(ii) The project should be such that every student of the class can participate in it.

(iii) The project should be educational and can provide education on different subjects.

(iv) The project should be useful for the students.

3. प्रोजेक्ट का नियोजन - प्रोजेक्ट के चयन के पश्चात् उसे पूर्ण करने के लिए कार्यक्रम बनाना चाहिए।

4. प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन - प्रोजेक्ट विधि में यह अत्यन्त महत्त्वपूर्ण तथा लम्बा चरण होता है।

5. मूल्यांकन - यह पक्ष इस शिक्षण विधि का अभिन्न अंग है, इसके माध्यम से यह ज्ञात होता है कि किसी भी प्रोजेक्ट के लिए निर्धारित किए गए उद्देश्यों की किस. सीमा तक पूर्ति हो सकी है।

By Asking Questions

Planning

Mode of Action

Takes Time

Project → Select

3. Planning of the project - After selecting the project, a program should be made to complete it.

4. Implementation of the project - This is a very important and long phase in the project method.

5. Evaluation - This aspect is an integral part of this teaching method, through this it is known to what extent the objectives set for any project have been fulfilled.

6. रिपोर्ट तैयार करना - रिपोर्ट में परिस्थिति किस तरह उत्पन्न की गई, क्या बातचीत हुई, विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्य, विद्यार्थियों के प्रयास, स्थान और प्रोजेक्ट की कार्यविधि का पूर्ण विवरण उल्लिखित होना चाहिए। प्रोजेक्ट में अगर कहीं त्रुटि रह गई हो तो उसे ढूँढ़ना चाहिए।

6. Preparing the report - The report should contain complete details of how the situation was created, what was discussed, the work done by different students, the efforts of the students, the location and the procedure of the project. If there is any error in the project, it should be found out.

→ Daily Report

→ Final Report

Result Student Report

Attendance Sheet

Result

PTM

प्रोजेक्ट विधि के गुण

1. समस्याओं को हल करने में विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के कार्य करने होते हैं अतः वे श्रम का महत्त्व समझने लगते हैं तथा वह श्रमिकों के प्रति आदर की भावना रखना सीखते हैं।

2. इसमें विद्यार्थियों को उत्सुकता तथा शुद्ध निरीक्षण शक्ति को विकसित करने तथा खोज की आनन्दानुभूति के अवसर प्राप्त होते हैं।

3. इस विधि से विद्यार्थियों में सामाजिक भावना का विकास होता है। परस्पर सहयोग से कार्य करते हुए वे नागरिकता की शिक्षा प्राप्त करते हैं।

5. यह विधि थॉर्नडाईक के सीखने के तीनों नियमों-तत्परता के नियम, अभ्यास के नियम तथा प्रभाव के नियम का अनुसरण करती है।

Merits of Project Method

1. Students have to do different types of work to solve problems, so they start understanding the importance of labour and learn to respect workers.

2. In this, students get opportunities to develop curiosity and pure observation power and to experience the joy of discovery.

3. This method develops social feelings in students. By working with mutual cooperation, they learn citizenship.

5. This method follows all three laws of learning of Thorndike- Law of Readiness, Law of Exercise and Law of Effect.

प्रोजेक्ट विधि की सीमाएँ Limitations of Project Method :-

1. प्रोजेक्ट को पूरा करने में बहुत से धन की आवश्यकता पड़ती है।
2. वर्तमान समय में पाठशालाओं में निर्धारित विज्ञान के पाठ्यक्रम को दृष्टि में रखकर इस विधि से विद्यार्थियों की परीक्षा लेना कठिन हो जाता है।
3. इस विधि के अनुसरण करने पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को पूरा नहीं किया जा सकता।

Long Method

Time Taking Method

Physics